

जयपुर भी बन सकता है स्टार्टअप का हब

‘स्टार्टअप इंडिया स्टैंडअप इंडिया’ प्रोग्राम में हुई जयपुर में स्टार्टअप के अवसरों पर चर्चा



सिटी रिपोर्टर • जयपुर

बाहर जॉब करने वाले राजस्थानियों में 70 प्रतिशत वापस अपने होम टाउन आकर बिजनेस सैट करने के बारे में सोचते हैं, क्योंकि बिजनेस यहां के खून में है। जयपुर एडवांस टेक्नोलॉजी के साथ अच्छा इम्फ्रास्ट्रक्चर भी रखता है जिसके चलते जयपुर स्टार्टअप हब बन सकता है। कुछ ऐसे ही विचार व्यक्त किए गए ‘स्टार्टअप इंडिया स्टैंडअप इंडिया’ प्रोग्राम में। एसएमएस कन्वेंशन सेंटर में इस प्रोग्राम का आयोजन फिक्की की ओर से किया

गया। इसमें एक्सपर्ट के तौर पर एंटरप्रिन्योर राजेश मुंद्रा, चिंतन बख्शी और गिरीश गुप्ता ने जयपुर में स्टार्टअप की संभावनाओं पर बात की। एक्सपर्ट राजेश मुंद्रा ने कहा कि जयपुर भी स्टार्टअप हब के रूप में उभर सकता है, क्योंकि यहां इन्फ्रास्ट्रक्चर, टैलेंट और बिजनेस माइंड सभी हैं। मैं अपना उदाहरण देता हूँ जब मैंने अपनी कंपनी शुरू करने की सोची तब जयपुर में मुश्किल से चार या पांच आईटी कंपनियां थीं। अब कम से कम 1500 कंपनियां हैं। यह खासियत मारवाड़ियों की है कि जॉब

करते वक्त उनके माइंड में यह रहता है कि मुझे पांच सालों में अपना बिजनेस सैट करना है। आईटी सेक्टर में 70 प्रतिशत राजस्थानी जॉब कर रहे हैं। हम अगर बाकी मेट्रो सिटी से राजस्थानियों की तुलना करें तो पाएंगे कि बाहर जॉब कर रहे 70 प्रतिशत राजस्थानी लौट कर आते हैं और अपना बिजनेस सैट करते हैं। पांच साल में एजुकेशन हब और यातायात सेवाएं ऑनलाइन हो जाएंगी। एक्सपर्ट चिंतन ने बताया कि स्टार्टअप का मतलब है कि एक अवसर जो छोटे स्तर पर प्रॉब्लम को सॉल्व करे।